शास्त्रिद्वितीयवर्षम्, चतुर्थसत्रार्द्धः

GE 4 विषयः डोगरी पाठ्यक्रम

Credit-4

क्र.स	डोगरी भाशा ते लिपि :	Credit
युनिट 1	1. भाशा दा अर्थ ते परिभाशा 2. भाशा दी विशेशता ते म्हत्व 3. भाशा दे रूप 4. भाशा , उपभाशा, बोल्ली, वाणी –संखेप चर्चा	1
युनिट 2	1. भारतीय आर्य भाशा–डोगरी –संखेप परिचै 2. डोगरी भाशा दी उत्पति –संखेप परिचै 3. डोगरी भाशा दा खेतर –संखेप परिचै 4. डोगरी भाशा दा विकास –संखेप परिचै	1
युनिट 3	1. भाशा दियां विशेशता –संखेप परिचै 2. डोगरी भाशा दियां ध्वनिगत विशेशतां –इक परिचै 3. मात्रा, बलाघात, सुर बारै –इक परिचै 4. अनुनासिकता, विवृति बारै –इक परिचै	1
युनिट 4	लिपि–विचार 1. डोगरी लिपि–जन्म ते विकास 2. देवनागरी लिपि ते डोगरी भाशा 3. डोगरा अक्खर लिपि–इक परिचै 4. डोगरी दे सुरात्मक ते बहुध्वनि वर्ण	1

सहायक कतावां–

1.डोगरी व्याकरण–डॉ वीणा गुप्ता–जे.एण्ड के अकैडमी ऑफ आर्ट कल्चर एण्ड लैंग्वेजिज़
2.डोगरी निकास ते विकास–डॉ बालकृष्ण शास्त्री–पोस्ट ग्रैजुएट डोगरी डिपार्टमैण्ट जम्मू यूनिवर्सिटी,जम्मू
3 डोगरी शोध–पोस्ट ग्रैजुएट डोगरी डिपार्टमैण्ट जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
4 भाशा ते लिपि–डॉ,नरसिंह दास ते सुनीता भड़वाल
5 डुग्गरः भूमी, भाशा ते साहित्य–संपादक–रूप कृष्णभट ते कमल किशोर

Scanned with CamScanner